1

प्रार्थना

3. **सही उत्तर पर ✓ लगाओ—**

क. हमारी वाणी कैसी होनी चाहिए?

i. कड़वी ☐ ii. मीठी ☑ iii. धीमी ☐

ख. हमारे मन में क्या कभी नहीं आना चाहिए?

i. पाखंड ☑ ii. अमृत ☐ iii. उत्साह ☐

ग. हम सदा किसका परचम फहराएँ?

i. सत्य का ☐ ii. विजय का ☑ iii. सपनों का ☐

4. नीचे लिखी पंक्तियों में रेखांकित शब्दों के लिए गीत में प्रयुक्त शब्द खोजकर लिखो—

क. धोखा, दंभ, झूठ से दूर रहें, ---छल---

सत्य का ही एक सहारा हो। ---सच---

ख. पाखंड कभी न हृदय भाए, ---मन---

ऐसा व्यवहार हमारा हो। ---आचरण---

5. गीत की अधूरी पंक्तियों को पूरा कर सुनाओ—

क. अज्ञान न हो, हम ज्ञानी हों

अमृत-सी मीठी वाणी हो।

ख. अन्याय कभी न हो हमसे,

बस प्रेम-सुधा हो जीवन में।

इन पर विचार करो

1. आप ईश्वर से जो कामनाएँ करते हैं? क्या वही कामनाएँ इस प्रार्थना में शामिल हैं?
2. इस प्रार्थना को पढ़कर आपको कैसा अनुभव हुआ? अपने विचार लिखो।

प्रशंसा-योग्य

1. 'प्रार्थना' का अर्थ भगवान से कुछ माँगना नहीं बल्कि अपनी कमज़ोरियों को उनके सामने स्वीकार करना है। जैसे— मुझमें शक्ति की कमी है, मुझे शक्ति दो। मुझमें विश्वास की कमी है, मुझे विश्वास दो। मुझे बुराई से बचाकर अच्छाई की ओर ले जाओ। मुझमें ज्ञान की कमी है, मुझे ज्ञान दो।
2. प्रार्थना ऐसे करनी चाहिए, जैसे कि सब कुछ ईश्वर पर ही निर्भर है और काम ऐसे करने चाहिए, जैसे कि सब कुछ हमपर ही निर्भर है।
3. यदि प्रभु आपकी कामना पूरी नहीं कर रहे तो इसका अर्थ यह नहीं कि प्रभु आपकी प्रार्थना सुन नहीं रहे, बल्कि प्रभु के पास आपके लिए आपकी प्रार्थना से भी बेहतर योजना है।

जानी-अनजानी बातें

- फ़िल्म 'अंकुश' का 'इतनी शक्ति हमें देना दाता' तथा फ़िल्म 'गुड्डी' का 'हमको मन की शक्ति देना' प्रार्थना-गीत सुनो।

- प्रतिदिन प्रार्थना करने से सकारात्मक ऊर्जा बढ़ती है। प्रतिदिन प्रार्थना करने की आदत इनसान को बेहतर इनसान बनाती है।

भाषा से

श्रुतलेख

दयानिधे, पाखंड, प्रेम-सुधा, दंभ, अर्पण, मूलमंत्र, श्रम।

1. **कविता में 'प्रेम सुधा' शब्द का प्रयोग हुआ है। जिसका अर्थ है— प्यार का अमृत। नीचे लिखे शब्दों से पूर्व 'प्रेम' शब्द जोड़कर नए शब्द बनाओ—**

शब्द	नया शब्द	अर्थ
भाव –	प्रेम-भाव	प्यार का भाव
जल –	प्रेम-जल	प्यार का जल

शब्द	नया शब्द	अर्थ
तत्व –	प्रेम-तत्व	प्यार का तत्व
पात्र –	प्रेम-पात्र	प्यार का पात्र

2. **विलोम शब्द लिखो—**

दिन ×	रात	मीठी ×	खट्टी	अन्याय ×	न्याय
झूठ ×	सच	सही ×	गलत	विजय ×	पराजय/हार
एक ×	अनेक	अमृत ×	विष	सुखी ×	दुखी

3. **दिए गए शब्दों का दूसरा सही अर्थ सामने लिखकर वाक्य बनाओ—**

एक प्रकार का वाहन, पंख, भावना

पर
- परंतु – मैं उससे मिलने गया था पर वह नहीं आया।
- पंख – मोर के पंख सुंदर होते हैं।

बस
- काफ़ी – बस, मेरा पेट भर चुका है।
- वाहन – मैं बस द्वारा हरिद्वार जाऊँगा।

भाव
- मोल – टमाटर का भाव 20/- रु० है।
- विचार – रेखा के भाव अध्यापक के प्रति अच्छे हैं।

4. **नीचे दिए शब्दों के दो-दो पर्यायवाची लिखो—**

मीठी — मधुर — मधु

दिन — दिवस — वार

दीन — गरीब — रंक

प्रार्थना — विनती — निवेदन

ईश्वर — प्रभु — भगवान

प्रस्तावित गतिविधियाँ

1. इस प्रार्थना को याद करो और विद्यालय की प्रार्थना-सभा में सस्वर गाओ।
2. आपके विद्यालय की प्रातःकालीन सभा में जो प्रार्थना गीत गाया जाता है, उसमें आप ईश्वर से क्या-क्या कामनाएँ करते हैं? बताइए।
3. यदि भगवान स्वयं आकर आपसे आपके मन की इच्छाओं या कामनाओं के बारे में पूछें, तो आप उनसे अपनी कौन-सी दो इच्छाओं को पूरा करने की प्रार्थना करोगे और क्यों? लिखो।

हमने क्या सीखा

1. जीवन में प्रार्थना का बहुत महत्व है।
2. प्रार्थना से मन में अच्छे विचारों का संचार होता है।